Midwifery Gynaecological Nursing, 02

Q. प्रजनन तंत्र से आप क्या समझते हैं? वर्णन कीजिए।

What do you mean by reproductive system? Describe it.

उत्तर - प्रजनन तंत्र (Reproductive System) –

प्रत्येक प्राणी में जितनी भी क्रियाएँ अंगों अथवा आंतरिक अंगों से निर्मित तंत्रों के द्वारा होती हैं, वे सभी शरीर को जीवित रखने के लिए होती हैं परन्तु प्रजनन या जनन (reproduction) की क्रिया से वंशवृद्धि अथवा अपने जैसे ही जीवन-क्रम को निरन्तर चलाने हेतु जीव उत्पन्न करना है, इसी क्रिया को प्रजनन तंत्र (reproduction system) कहते हैं। यह क्रिया दो प्रकार की होती है-

All the activities that happen in every living being through the organs or systems made of internal organs are to keep the body alive but the process of reproduction is to produce living beings for increasing the population or for continuing the life cycle like itself. This process is called the reproduction system. This process is of two types-

1. अलैंगिक प्रजनन क्रिया (Asexual Reproduction) –

अलैंगिक शब्द से ही ज्ञान हो जाता है कि क्रिया केवल एककोशीय जीव में ही संभव होती है जैसे- अमीबा या बैक्टीरिया।

From the word asexual itself we get to know that this process is possible only in unicellular organisms like amoeba or bacteria.

2. लैंगिक प्रजनन क्रिया (Sexual Reproduction) –

इस क्रिया में लैंगिक संसर्ग के द्वारा संतान उत्पन्न होती है। जिसमें नर व मादा अथवा पुरुष एवं स्त्री के बीच लैंगिक सम्बन्ध स्थापित होने से एक नए जीव (संतान) की उत्पत्ति होती है, जिसमें माता-पिता दोनों के आनुवांशिक गुण पहुंचते हैं।

स्त्री एवं पुरुष दोनों ही में विशिष्ट जननीय कोशिकाएँ (germ cells) होती हैं, जिनको युग्मक या गैमेट कहते हैं।

पुरुष में ये शुक्राणु (spermatozoa) तथा स्त्री में डिम्ब याovum होते हैं।

शुक्राणु के डिम्ब के साथ संयोजित हो जाने पर गर्भाधान की क्रिया सम्पन्न हो जाती है।

जिसके फलस्वरूप युग्मनज या जायगोट (zygote) बनता है, जो स्त्री के गर्भाशय की भित्ति में धँस जाता है, वहीं पर उसकी वृद्धि एवं विकास होता है।

धीरे-धीरे वह एक शिशु का रूप धारण कर लेता है और 9 माह पश्चात् इस शिशु का जन्म होता है।

इस प्रकार से पुरुष के जनन संस्थान का कार्य शुक्राणुओं को उत्पन्न करना एवं स्त्री में संचारित करना है।

स्त्री जनन संस्थान का कार्य डिम्ब को उत्पन्न करना है और यदि वह गर्भित हो जाता है, तो उस डिम्ब का पोषण करना है, जब तक कि वह पूर्ण विकसित होकर शिशु के रूप में उसका जन्म नहीं हो जाता है और फिर स्तनपान करके उसका पोषण करना है, जब तक कि वह खाने-पीने लायक नहीं हो जाता है।

In this process, offspring is produced through sexual intercourse. In this, a new organism (offspring) is produced by establishing sexual relations between male and female or man and woman, which receives genetic characteristics of both parents.

Both men and women have special germ cells, which are called gametes.

In men, these are sperms (spermatozoa) and in women, they are ovum.

When the sperm combines with the ovum, the process of conception is completed.

As a result of which, a zygote is formed, which gets embedded in the wall of the woman's uterus, where its growth and development takes place.

Gradually, it takes the form of a baby and after 9 months, this baby is born.

In this way, the function of the male reproductive system is to produce sperms and transmit them to the woman. The function of the female reproductive system is to produce the egg and, if conceived, to nurture the egg until it is fully developed and born as a baby and then to nourish it through breast-feeding until it is able to eat and drink.

प्रश्न . स्त्री के प्रजनन अंगों के नाम चित्र सहित लिखिए।

Draw figure of uterus and write reproductive organs of female.

उत्तर - स्त्री के प्रजनन अंग (Female Reproductive Organs)

स्त्री के प्रजनन अंगों को आंतरिक एवं बाह्य दो भागों में विभाजित किया जाता है, जो निम्नलिखित हैं-

The reproductive organs of a woman are divided into two parts, internal and external, which are as follows-

1. आंतरिक प्रजनन अंग (Internal Reproductive Organs) -

आंतरिक प्रजनन अंग निम्नलिखित हैं-

The internal reproductive organs are as follows-

(i) डिम्ब ग्रंथियाँ या अण्डाशय (Ovaries)

(ii) डिम्ब वाहिनियाँ (Fallopian tubes or uterine tubes)

(iii) गर्भाशय (Uterus)

2. स्त्री के बाह्य जननांग (External Reproductive Organs) –

स्त्री के बाह्य जननांग निम्नलिखित हैं-

The external genitals of a female are as follows-

(i) जघन शैल या मॉन्स प्यूबिस (Mons Pubis)

(ii) वृहत योनि-ओष्ठ (Labia majora)

(iii) लघु योनि ओष्ठ (Labia minora)

(iv) भग शिश्न (Clitoris)

(v) लघु एवं वृहत योनि प्रघाण (Lesser and greater veszibule)

(vi) योनिच्छद (Hymen)

(vii) योनि (Vagina)

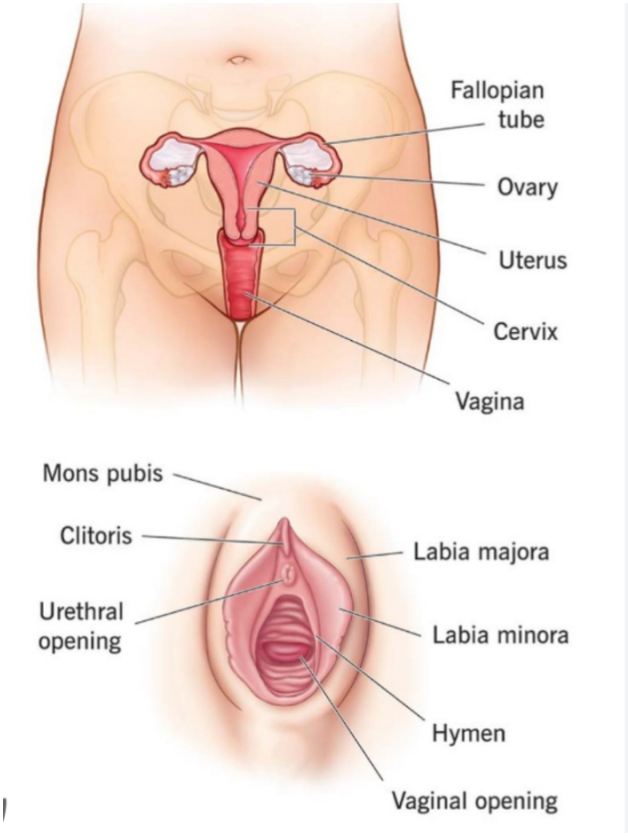

Q. गर्भाशय को चित्र सहित परिभाषित कीजिए।

Define uterus with figure.

उत्तर - गर्भाशय (Uterus) -

एक महिला के गर्भाशय की आकृति उल्टी नाशपाती जैसी होती है।

यह श्रोणि गुहा में मूत्राशय के पीछे व मलाशय के आगे स्थित होता है, यह एक भ्रूण शिशु को रखने वाला खोखला (cavity) माँसपेशी द्वारा निर्मित स्त्रियों का अंग है।

A woman's uterus is shaped like an upside-down pear.

Located in the pelvic cavity behind the urinary bladder and in front of the rectum, it is a hollow muscular organ that holds a fetus.

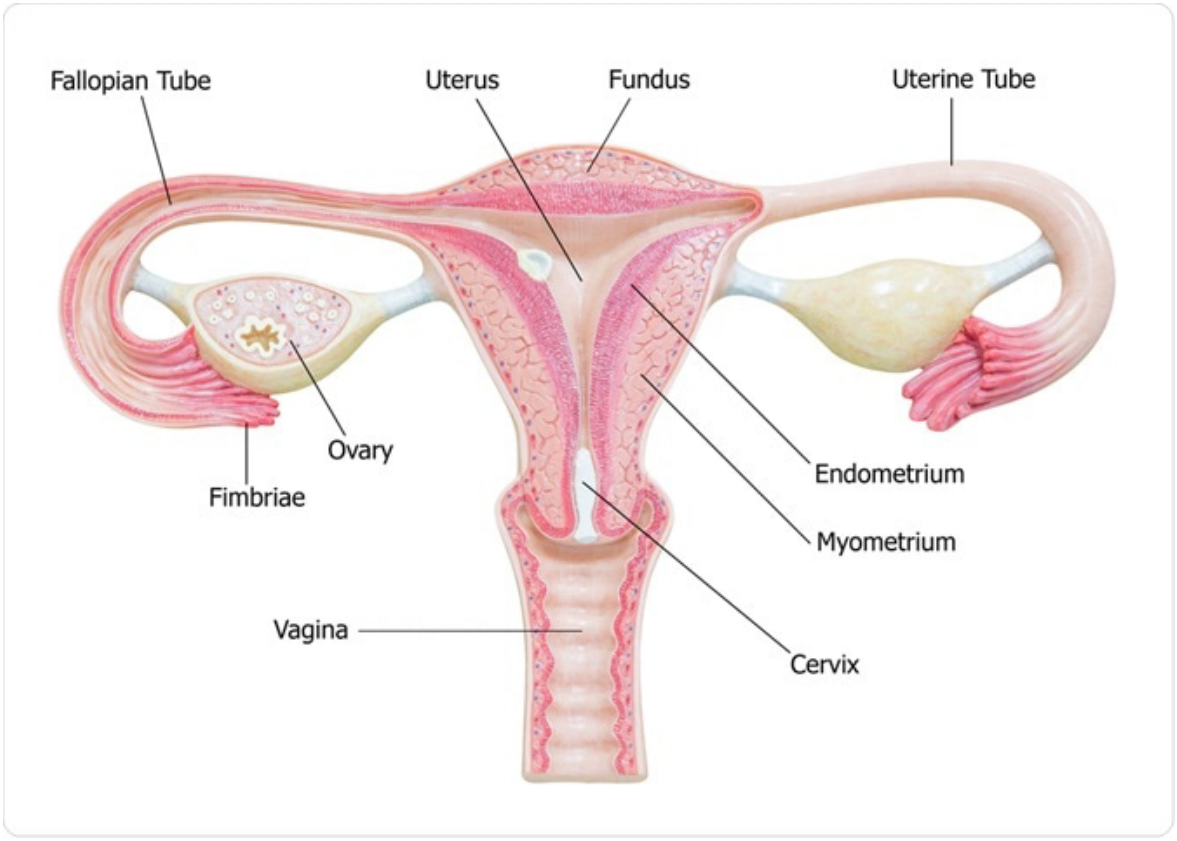
Fallopian Tube
Uterus
Fundus
Uterine Tube
Ovary
Fimbriae
Endometrium
Myometrium
Vagina
Cervix